





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हस्ववक्षान्नखद्युगह्वविभगिहस्तान्नकभन्नममयिचक्रवादे
प्रहृमिपविह्वंगहस्तकाकाहनेसंमज्जासंबेदवन्दानरुहसविनं
सागनंगावन्दवव्याहस्ताहजगपाभेनवहृगवमंपन्ननृखश्चन
स्यपिवाजासंसनचक्रविनदन्नयमिसामिनासांमिथाममह
तासाधियस्यप्रसादादिभाहुनिजज्जसंखमिनानिष्ठपंदनवपय
सर्वसंसमहयमिसंकल्पनामनापकंकूपांगम्याधिपसंगिनः

वसिष्ठिनमयस्तु नूतनसर्वकाव्यं ॥ ॐ नमो श्रीपद्मनृत्पद्मनाथ ॥
॥ ॐ नमो श्रीवक्त्रसर्वनाथ ॥ आ ॥ धर्मधाराजि न हृदया नन्दका
लिका ॥ का ॥ जगदाचार्यवाचन ॥ आ ॥ कमलासनरूपमिभिव
र्धनधरा कलंकमलं ॥ का ॥ सहजानन्दकालिका ॥ आ ॥ निखिलं
जिनहृदयाः सादमुदरा ॥ का ॥ नरकमंशुकमाला ॥ स्वाकजा ॥
॥ यागा ॥ गन्धालि ॥ विश्वसना नूतन विवृविंवा २ माका ववियापि
कसुसंलव ॥ ॐ ॥ नमामि ३ वागीश्वरसयनमूनिहृदया २ विना

विश्वसना नूतन

मध्यमपत्रे ॥ ७

सथिकूटांगममनाह्न सयनजिनहृदया ॥ पीरुनीवावृक्षमि
नवयनशंपंचजिनमकूतमनिनयन ॥ धर्मवक्रमूलाकूलिभस
नामीश्वरक्षत्रापथिप्रभुवस्त्रनं ॥ सवासननमिन्नवयन
शूनयिपत्रमादिवज्जिनगुहालयन ॥ ॥ ॥ ॥
मध्यममहामधीकनकनाजिनपूर्वदिदहनकंवृद्धिपंश्रूपन
गमजायनिउरुनकूतवृद्धिपंचवर्षपंचजिनवापियात्र ॥ ॥
नमपत्रकवृद्धिविन्धुजिह्वविन्धुहिरुगपत्रकमूर्तिश्रुष्ट

मणिनीला ॥ ३ ॥

कामुगवसपक्वसाविपूजिता ॥ ३ ॥ उक्तदविवालिनायाविपुवन
वीनाश्विनभवापकसमयाज्ञानन्द ॥ विलंबविबन्धविमहजानन्द
२ कलंकमलामनहृदयानन्द ॥ ३ ॥ पक्ववृद्धपक्वस्वधमनू २ दवा
सूदननप्रमूदिगहृदया ॥ ३ ॥ ओं श्रीः ह्रीं खं साधनकनिर्ग २ उमन
घट्टाखानिविलमानन्द ॥ ३ ॥ नागप्रमंजु ३ ॥ अनिलमूननज
लआरुवमाभमनूमधुलवकलायाश्वजपंजलसुनज्ञानसंपविरुनि
मनूमधुलवकलाया ॥ ३ ॥ उमनूजनयिषामुन्यकनूधश्रीलिंग

४१. ह्रस्वश्चयियाश्चञ्जवाहाहिआलिङ्गससम्बन्धञ्चयिया॥

॥ छे छि संविन विन श्वन सऊ हि १ गहि १ श्रूष्ट ममान १ श्रू नूह नः
सर्व दव वऊ धा उ म द वी मित्रं मिय रुय न संहा व ॥ ॥ छि दुवन उ
मज कू वाय न रु ना ठा विरु वन उ मज कू वि ना वि ना १ छि नि दुवन न
व ना न संय सा वि न रु लिं ए ल उ य का का ना ॥ ॥ अहि नि सं स ग गु न
वा न न उ ना ग न कू दि ए ग न ए व अ ए वा १ ऊ न म म न त्तर ए य व न्ध न
कू दिं ए ग न रु य मा नू अ मिय संहा व ॥ ॥ नाग नाट ॥ न कू व ध

नकुवर्ध॥३

नमः ॥ ७

प्रितिलायनसूदवि २ अष्टाके दम उज्ज्वलननकिवन ॥ ३ ॥ उ
रुदवीवानूनिमाहासामकिदवी २ जगत्प्रमादिनमयनसूत्राणा
॥ आगमवदपूर्वानवर्षान २ यागधर्मदिज्ञानू उपदेष्टा ॥ ४ ॥ य
थर्वस्वन्नूपकहेतु २ स्यान्नागिनिमा ३ हवूवउहूनु ॥
॥ सतगुनूवननसिनेंगनधनिया २ रुनयिनिवाकवजसूत्रासूत्रपि
॥ ॥ नाम ॥ १ ॥ नमः ॥ अका नूननूपधनू २ स्व ३ विसलउ
ताधनू ॥ ५ ॥ ॥ ननाहूहू २ ननाहूहूहूहूहू ॥ ॥ ६ ॥ अलिङ्गनआ

गधवृश्चकयष्टमूडाधनू ॥ धवलसूतं घूनदहधनूश्मनदस
साहियचउमनू ॥ ॥ मायादहनिनजंगुश्माहियकनूनसत्वम
है ॥ ॥ नाग॥ भ॥ ज॥ यमान॥ छिवकनविमभिमधुलमाभ
ः सि॥ ति॥ आनन्दमूनगिधनाश्चकवावाहिआलिंगशसम्बननानान
मिमहाकाला ॥ ॥ ॥ गनाईहै ॥ ॥ नीलवर्तचउवकुपमिमुख
दिनकपनमाआनन्दमूनगिधनाश्चिश्चवजजूईचउजनामक
टधानिहाउआरुननससाहिता ॥ ॥ वजयष्टगजचर्मउमनू

ॐ शिवाय नमः

स्वत्वांग विनमाज्ञानन्दमूर्तिवन्नाश्कनतिकपालपन्नमुपाशङ्
मिशुलवक्त्रमिश्रं धना व्याघ्रवर्मकर्त्तृवर्हिता ॥ ॥ दिगं विगका
कास्यादियमहाकिनिदवी सहजाज्ञानन्दमूर्तिवन्नाश्नमामिश
गोचकसंवना सगुनूचननज्ञानाधिना ॥ ॥ पंचम ॥ क
लिगवज्ञानव चविभमिकूचिगडावयिउं कानध्वा दनूपीश्कून्दन
यासाधिरुवनलिनापयिभयिजिनभमिविन्दनूपा ॥ ॥ ६ ॥ पञ्चम
नन्दमूर्तिनूपाविकावाधियथामरुवजाश्वाज्ञः हंश्कावाधिय

किंभीमंशुवजा ॥ ॥ कूलिभकमल संयागसहजा पवनकनंगस
 लीनगतिश्च यमखगलजवत्वमकूटका विकृष्ट सीमाननदहिन
 वाम ॥ ॥ ॐ हूमधुलापनिवज पयंककंकूमनूधननूषकालि
 नाश्वजखक्षसवदहिनकवधवि वामध्वल्यनवापधवी ॥
 ॥ विचित्रवलाहवधविशुषिगहलथिजूनकमनूकिधविशसग
 नूचनधकमलप्रसादा नमामिपवनमनिवापदं ॥ ॥ जग ॥ रु
 ववी ॥ नित्मानानिवडुषष्टिदन्सवानूरु मध्वगगकादिवृगयाना

नित्मानादि ॥ १०

दन्वृषी २ समिन् प्रलितललितार्द्धगमिनि ननशालसूनापमजाल
नृषी ॥ क ॥ ॐ नमामि देवी श्रीवज्रविनासिनि श्रीरुवहन्नकः खसम
हन देवी २ आठियानपूर्व गिविकामनूपथी हनसूविमुद्धमधुलन
खयनि ॥ ॥ वसूद्वनसना नूहवलधर्मचक्रं धाउमदलसंलगव
कश्चाप्रिसगद्वनकमलमहासूखचक्रं हेकाननूपथी हनूकनाथं ॥
॥ इहतिजिनविश्यादिजिनयानरुदनिप्रवयिमृगधानयनादनूपि
२ पिठादिद्वामुमिगतसूगनपूजनीजिनहनशयनिविनम्बनि ॥

॥ ॥ दर्पणप्रतिविम्बजलज्वंटापमञ्जुहिनिस्सिमननकवजद
वीरजन्मजन्ममात्रुंरुपायभक्तद्वर्गादिनासनमात्रप्रदगा ॥

॥ ॥ याग ॥ कर्धदि ॥ खटयागिनीदेवी किरुवनवापिनिश्चिन्मा
लक्ष्मदार्पणविनासिनि ॥ ॥ नमामिश्चदेवी श्रीवज्रवावाहीश्च
सिद्धिदायनिजगज्जननी ॥ ॥ पूर्वद्वन्द्वगगनकवर्धकिश्चोभान
यामिनिदेवीनीनवदनी ॥ ॥ वायूव्यमाहिनिदेवी श्रीगवर्धणेश्व
श्चिमसंज्ञासिनिदेवीरगोन्नववर्धण ॥ ॥ नमस्तुभ्यं सज्जसिनिदेवी हनी

नि ह००० अ००० म००० न००० दं००० व००० लि००० ग००० कं००० उ००० ॥ दानपत्रिसर्वकार्येत्वं

ॐ साङ्गद ॥ १३

मन्त्रोक्तः ॥ १२

या सर्वसूत्रसंप्रगिः ॥ नीज २ यत्वेव गत्येव दुर्जं दुपिवथ जिघ्रथमाः
निकर्मथन ॥ ॥ समयावज्जुदानप्रगिनसर्वसिद्धिसंपदभाजि
न २ ग्रासंसावननथागतवदनसर्वसिद्धिसंपदवृद्धि ॥ ॥ वाग
॥ ललि ॥ अनुरूपनमथगावंकानसंरावनलनूपविंनिगविचिंतु
कलमं २ ओं ॥ १० ॥ काववज्जामुगमदकंसफसंसाधितरुनामन्मयं
॥ ॥ ॥ वं ॥ अमनसवाधिहलदायकंसर्वजिनव्यापितसहजक
लसं २ जगममलसंसागसून्यकनूलाहवसंसावननासनविनऊनू

र्य ॥ वज्रपवनमानुसयगाश्च वज्रसयूक्तं संखसंख्यमधिगप्य पि
 पूर्यं २ हं फानमं यूपूष्य अगवक्षवज्रसंख्यपितविपाककलमं ॥ ॥
 घटमखं नवसफ नूपराव. आरुष्टमं दकि निजल नूपं २ अटिगिमा
 वावधदवगाचकं हनसत्वमानियह दिजनं ॥ ॥ पायादिमाव
 मनदानपुनसुनसमयाचक प्रवसिताविमूदकलमं २ महावागडवि
 ह्यवाधिविरु नूपसमयसत्वहनवकनकि हं ॥ ॥ नागा ॥
 हाउ आरुन (ध) क्रियायि नमस्वनधनयिकं वा न ॥

[illegible]

विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥

लिंणालमधुलसम्मलवज्जवागहि ॥ **विहंगम ॥ १२ ॥** विहंगम
वापयिआगीनिदहकवावि २ कमलकुलिसयसकनहंनजिवयि ॥
क ॥ **विहंगम ॥ १२ ॥** विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥
लसंपिदयि ॥ **विहंगम ॥ १२ ॥** विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥
दिया नहमान ॥ **विहंगम ॥ १२ ॥** विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥
हंवाह ॥ **विहंगम ॥ १२ ॥** विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥
यनउवीग ॥ **विहंगम ॥ १२ ॥** विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥ विहंगम ॥ १२ ॥

मभीवदनश्च दवाञ्च सूननवशुवनहं दुकनूना॥ कृ॥ नाचवनमा
 मिथीसम्भवविनाश्वजयागिनीलगिनमालसहजगृगमा॥ ॥
 वजवावाहिञ्चालिंगनकाष्टश्चुडिसम्मीनविलेखलसमन्वसंभवति
 ॥ ॥ गमकूदहन्विम्बूमासमूरुजर्केशकनूदालूनलायनविखन
 ॥ ॥ द्वादमशुजधविवालिचउवदनश्नीलसहावगगानहं दुलि
 ना॥ ॥ वागा॥ चिदंकावभूवनिनिहिगवामजानूरुक्कफिबनमा
 लसञ्जसाश्वागधवमाहवन्विनयाभा॥ चिदुवनवायाञ्चुक्लवि

ना॥ ॐ ॥ नमामि श्रीवद्भुमहावाचसाङ्गागमस्यैव कृदिगाश्वि
श्वनाथविश्वनाथिकविनंविश्वमहाकाधवाया॥ ॥ श्रीगिरिखना
गाउर्ध्वप्रवत्तुदंष्ट्राकनायविश्वकिन्नाशपीजीनश्रुवार्ककल
नयनावनि संशसावारवद्रसनना॥ ॥ माधवमायापूर्वद्वनव
बुद्धिपिभवापादवरुननाशसमनसमायावागविभाहारुनलायापुन
समाहिकदहा॥ ॥ नत्वरुनक्षपकालिकमोलिकयूननोपुननृश
मूनकावाशसूननननागावन्दिकवनक्षवायसूनश्वनश्रुवलवीवा

श्रवनिनिहिगजानूनीलसमदहा २ क क
१२ अथवा २

॥ वागा ॥ श्रवनिनिहिगजानूनीलसमदहा २ क क
लखिनयनी ही घम घम वदना ॥ कु गना रूं रूं गना रूं रूं : रूं रूं
जाग श्रवल का धनाया ॥ निविधिगघनयूतिशारिगम (ऊ २ पा
मख झ धा निधि रुवन नाथ ॥ ॥ रुनिह नवु का ०० नु वा मा ना २ मा
नविघ्नदु गि म क रुय रुन भा ॥ ॥ विविधिगनलमो विलं रुग दहा
२ जगम विवाद्धि गवन रुल दाय कं ॥ ॥ वागा ॥ ये च ॥ अयं वा २
लि रुनु अघन ही २ सयल सूना सून जगम उका नी ॥ ॥ क ॥ न ह रुग व

लि

लि॥ १६

भूगणेश ॥ २०

गिपा हूक मलमहिम सुलना पूव नृ धं मूनं काना २ हू उम मान आरुन
धं विरू धि क मख लघ घ उला नाः विनि विनि विनि ध यं मि विनि नय ना ॥
क न गि य त्या ना शी व नू ड न ल मिल मा ला २ कूं धि ख शं ग व न म कू ग
क म ॥ ॥ गिन स सिं धू न क रू न रू ला २ क म्बु वि क न पू न गं वाल सूर ख
सा व ॥ ॥ रु न यि सून क व ऊ वा रु वि द सा २ श्री व ऊ दे वी य सा द श्री ह नू व या
या ॥ ॥ न ॥ ॥ व स ॥ ॥ भू क सि कू मू म भू मि दे ह प्र ल ख ना २ वि वि वि नि नः
त्व म हि म कू क वि रू धि क ॥ ॥ ध ॥ ना व यि व श्री व ल वि ना २ क ना व उ म्मा

नन्दविनासयिञ्चला ॥ ॥ वामउरुवविभूमिडादर्सना १ प्रहृष्टाति
गमञ्चयमहासूहं ॥ ॥ विनागवन्दुमिहवहयंकना १ मयनिहतव
द्वगर्जनिषाभा ॥ ॥ मालवउवदप्यनिधिलविघ्नहना १ नविभसिभूम
लक्षगगहविनाभयि ॥ ॥ वायव्यक ॥ ॥ हंकावसंजात ॥ ॥ दुनील
समभूमिदहा १ प्राकालकलनसमभूमिकालाकलनसमाकूला ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
यंउञ्चलभूतगमभूमिखपुष्पाभकवधावि १ जगगनाथजगकपालिम
महाकाधलाया ॥ ॥ भूदनिनिहिकवानजानूधानवदनदिनिलाचना १

ॐ कान जागा ॥ २२

ककवा ऊरुवरुयंकन अखिन विघ्न विहन्ता ॥ ॥ वृक्ष हनिहन् मघप
नासनदप्यं दहनसू विना २ डसु निषी जिगधवन मयकिन क्षविष हन्ता ॥
॥ विविधिनल्ल आरुनश विरुषि कदि यनल्लसू भालि २ अगन वा छिगस
वत्तं पारि सिद्धि वल्ल हलदायकं ॥ ॥ नाया नाया ॥ ॥ कान जा
गमुल देहा २ दि ह ऊच कास्य शिनजा ॥ ॥ ॥ कनारुं कनारुं ॥ ॥ वकि
कृशुल कशिशा २ नूतक के यून वक्कसू ॥ ॥ मखल ना यून पायल २
घा घन रुस वा घवर्मा ॥ ॥ ऊगाम कूट विवव २ गुक्क मधु अर्द्ध वड्ड

पुनः लिखितं हेतुना ॥ २३

ॐ ॥ सवकववज्जवामघश २ रुववकालिञ्जु विंठपदं ॥ ॥
॥ जय श्री विरूजसम्बल विरुवन व्यापिना २ मच्चि सिद्धि महामूडा
सिद्धि ॥ ॥ वागा ॥ कामा ॥ पुकालिगह कान्न वा रुवमूनि ००३
नीलसमयूनिदहा २ विश्वावज्जस्थि विरुवन व्यापिना २ मच्चि सिद्धि महामूडा
विघं ॥ ॥ नमामिथाचनु विरुवन व्यापिना २ मच्चि सिद्धि महामूडा
विरुवन व्यापिना २ मच्चि सिद्धि महामूडा ॥ ॥
विरुवन व्यापिना २ मच्चि सिद्धि महामूडा ॥ ॥

ॐ विष्णुसंगव ॥ १२४

शसनवभनकवधं ॥ नानावलाहवनोपूनंकरिंमखलरुखितद
हा २३५५ कवानरीषमवदनादिरुवनलायापुनमुवीना ॥ वीना
विपकिसर्वरुयहननं प्रगपिभावादिमांगनमनसा २३५५ ननययजादि
वंदिगपादंसर्वसिद्धिमाकुरुलदं ॥ ॥ वागयासा ॥ ॥ विजसंर
वरुसमदहानवनसदाकिंसगलजधधवा २३५५ दभरुजवदवदना
मासुवसुवनकनशा ॥ ॥ नमामि श्रीचिचक्रं धनंमालरुयएव
रुयहननं ॥ ॥ वडुविंशतिपी १० धनं वृषिसंवीनवीनधवाश्वकु

वक्रि फलुला ॥ २३ ॥

कपनिवृणादवीसंपूटप्रकाशिकरिङ्गा ॥ प्रहसंपूटआलिकालि
प्रसक्तानाश्रुमिसंरुवाश्चादभदेवीनकणवानमामिथीचक्रसम्बन्धा
॥ ॥ सगगुनूचनरक्षसीवगगमभयारुनं०गीमथीकूलिमाश्दानप
निबमनाहर्षसंयममुलभूनाधिगा ॥ ॥ यथावदुयि ॥ चक्रिकुधु
लकष्टीनाचकभारवत्तलरुचिगयीवनूडननभिलमालाश्मिल्य
चक्रिचक्रिचयिथारुमाविरुचिगगगेशकणादिवन्नुनिवाया ॥
॥ कु ॥ प्रहसथीरुनूडादमानूकालायाशरणनाथथीसम्बन्धा

वामपत्रेन ॥ २७

या ॥ **॥** वज्रकटाकहाथनववीयाकल्ल क्रियाउखडांगशहं
पूकयागिनीकमलविहभं गालमहासखमविप्रसाद ॥ **॥** व
ज्रवावाहिआलिंगधसंवन्ननावयिवरुविहलहं गश्वाकुलि
कालिनयादिदं किहनुगमूद्युवसू नक्षप्रसाद ॥ **॥** सहगं
वृहिनयागमअंति कर्षयायीहनुववनक्षप्रसाद ॥ **॥** प्रहजालिंग
क्षकीदकिहनुवविनासयिसून्यकनुक्ष ॥ **॥** वामपत्रेन ॥
॥ वामपत्रेनववनदहिनकनकि ॥ **॥** पायननोपूजनूडमालसंनु

ग ॥ ॐ ॥ दवीनाचयिचककगिवजशागिनी ॥ २ ॥ निनदवीयिदु
 वनपयिस ॥ ॥ कालसूयइधिपाएभनवन्विने ॥ २ ॥ वागदवभाहक
 हिन्दुदिका ॥ ॥ हूलसूकादवीनिवंगनदस ॥ २ ॥ सून्यपाउदवीभूय
 साहाव ॥ ॥ भृष्टिसंहानदवीकनूसकदवी ॥ २ ॥ भाऊसार्गदवी ॥ ॥
 वीकजननी ॥ ॥ वाग ॥ वसंत ॥ ॥ अिनवलजननीप्रराखनमन्य
 रविनासयिसमनसदन्दाआलिंगक्ष ॥ ॥ ॐ ॥ निवंसहसूनायगी
 घानहसंपूय ॥ २ ॥ गभाआलिंगनननंदनयजा ॥ ॥ ॥ दोपसंहाराभय

लघ्वियमयन ॥ २ ॥ वागविवागइ ॥ ॥ माअनिरवर्ना ॥ ॥ ॥ अऊकुलिसमं

५२॥१॥

लघ्वियमयनश्चागविवागश्चमाभनिखर्ना॥ ॥ मूककुलिसं
आगरिसखनाश्चननवपसखनद्वन्मात्रलिंगश्च॥ ॥ दहदिशुव
नयीआगांवनाश्चपक्षमामिह्नयस्वविआलिंगश्च॥ ॥ वाविह
सा॥ उदिगागनयिषापवनहृष्टानश्चवलसूहदामककासुनविना॥ ॥ क
द्यावहृष्टानहृवाधिसंवलिंगाश्चसूखयनिबंजनमाकुलंकृता॥ ॥ दि
नकनसंशुलमध्वगताश्चकनूधमगनसमवकनंकृता॥ ॥ दग्ध
आलिगनरुयप्रतिनिहंताश्चदेवास्वननवसिल्यंमिता॥ ॥ गव

विष्णुसहस्रनाम ॥ २८

किंपवनपथिगुनरुक्ताश्वजवावाहिडुंरुसिलनमिता॥
आगविहारा॥ दिडुजचकमूरवनकवदनाश्नगनमकूटकमवि
निलाचन॥ **ॐ** नमोदेवीवूधजकिनीविश्वजनेनीश्चिडु
वनव्यापिगजिनरूनदायनि॥ **॥** दहिनकनवजविवासिनी
दग्धगिश्वामकवाटवचउमानपिवयि॥ **॥** कनूनिमधुल
माआउठियानगमनश्नलपूनवनमगकंपयमिता॥ **॥** श्री
विद्याधनिदेवास्तनननमहिगाश्चकलसुद्धिस्तिद्धिदहिममागा

॥ **ॐ** नमोदेवीवूधजकिनीविश्वजनेनीश्चिडुवनव्यापिगजिनरूनदायनि॥ **॥** दहिनकनवजविवासिनीदग्धगिश्वामकवाटवचउमानपिवयि॥ **॥** कनूनिमधुलमाआउठियानगमनश्नलपूनवनमगकंपयमिता॥ **॥** श्रीविद्याधनिदेवास्तनननमहिगाश्चकलसुद्धिस्तिद्धिदहिममागा

सकलज ॥ ३०

॥ **वागनाट** ॥ सकलजगत्सु संवत्तवीनाश्च नूतनपद्मकच
सकचटिसूखविला ॥ **क** ॥ सम्बन्धश्च नूतनमयीगायंश्च विविधिविक
ल्पविनासननूटा ॥ **द** ॥ दवीवावाहिदुक्तमशुभदहाश्च वरुणह
वनविभाचविमथा सकचविघ्नहतिमतिपतिनूताश्च नपि
तिस्वर्गनिवासननूटा ॥ **श** ॥ शवाणवकृणाहतिमतिवृणाश्च नूतन
मसूखवसमग्नसूखविला ॥ **वागनाट** ॥ कवननूतनपद्मकच
कउनननूतनपद्मश्च नूतनयनिनजनसथानविसृष्टा ॥ **क** ॥ नाचयिञ्च

वधूवकानकमानेशखच्छांगुडमनूयीवनवभिलमाला ॥ ॥ ॥
 कूलस्थानिनंजनशूकलविहनाशशूनूलवधनसयानविमुखा ॥
 ॥ करुवावहउवजकरुवाववीवाशशूवधूवकानगकि सह
 अनयडा ॥ ॥ हलरुहलरुहमयमवसखवृदाश्रिनिउ
 वननाथप्रकृसम्यववाया ॥ ॥ याग ॥ मानुशी ॥ वज्रयागि
 नीहनूअवायाश्रिउवननाथदहिमप्रान ॥ ॥ ॥ पिवळ्ळ

निर्जं तु व॥ २२

वयिमाननिनवानूव॥

ननीनूपवजयागिनी॥

नमिकपात्रवद्वंगवनि॥

नूदननसिलमाता॥

मिअूवयवाहूलि॥

वहूवववायाश्चोहमगमनयागिनीपयिस॥

॥ जिमपनयानदरूपूनर्क२जिनजं

॥ जयं२रुअरुवसम् (आरु२कः

॥ जयं२रुअरुममानरु२नशीव

॥ जयं२रुअरुहंजगमसंसात्र२प्रधमाः

॥ वाग॥ मानव॥ निर्जं तुवनअवधू

॥ अ॥ अनन्दा

दिदवाळुविश्रुनन्नादिदवाश्पनिनाचयिहवूवमनसासंपूर्ण॥

॥पूष्कमिगहिहववूनिगकूलहवूवश्सवल्लिभूनकापिवयि
संताप॥ ॥ध्याउडियानकलयिवडाश्गीतभूनकाकिउंकिवा

ऊर्कि॥ ॥भूलिकालिहूयिपादध्वनंश्कीउंकिमलकूलि

सवाऊर्क॥ ॥पयिसयिअम्विनिगूद्वयसंयासाश्चवउयागिनी

मंगलगीत॥ ॥घसलीघात्रीचोत्रीवगात्रीश्लेपनवउसम

हवूववाला॥ ॥नमोभवा॥वडिघानिवतानिवयुविद

सर्वोक्तानाम् ॥ १२५

वीरसिंघनिवाधिनिजम्बूक उलाकिनी ॥ ३८ ॥ नमामि आया
गाम्बवयिरुनन्धवीया २ किनीनयदवीविद्वनपयिस ॥ ॥ पू
र्वउरुनपक्तिमदकिनदिगंदवी २ जकिनिद्विपिनिवउसिकवा
ऊन ॥ ॥ वउनदिगंरुमरुनमउदवी २ यिनिनमदवीनावकीद
वी ॥ ॥ रुनिहववक्र ०० उअसुनगरुध २ धादमदवीसमवसंरुव
॥ ॥ ॥ राग ॥ धनाथी ॥ सर्वोक्तानाम् हाहुरवकुविशवउअन
रुहुरविद्वनहलयिमहासुरवलायाचउसूर्यइयिमनिथा ॥

ॐ नपापविना नू पूर्णं विना. छिरुवन नू कू खनू पिनी २ सर्वविकल्प
विधं भनिद विभू नू रु न रु न वलदायनि ॥ ॥ भूमिना मू मधुल उ
दया न कि थि क ल्या न न मि व नू यं धनी २ क न कि क णाल र व धां ग धा वि ष
ह रु न व ल दाय नि ॥ दिगं व न म कू ट क सि व डि कू धु ल क सि धा नि
२ वा च क म र व ल पा य ल धा नि गी व नू ड न व सि ल मा ला ॥ ॥ सर्व
था ग त ऊ न नि द वी वि न हि म ण व ष ण वा २ धी व था गि नी व न ध मि यं ग
न म व कि स म न स व आ ॥ ॥ ॥ ॥ छि द ल क म न व ध २

सूक्तस्य नं गमय क न व न व नीना शी वि नूपा ऊ य र व ग मूर व द वी. म
दन पा ल य वा पि ता ॥ ॐ ॥ न मा मि ने वा सा पि शु व न मा गा व रु ला
द वी श्री मृ ग थालि र स य ल सू ना सू न व न्दि त व न ॥ अ न ग म अ धि मि धि व
ल प सा द ॥ ॥ न न्द न व न मि व व न्द न ग व व अ न ग कू स म पा वि जा
न व न श नि स्य गं ग म स म वा ग म मि ती न अ न ग मि थ स ऊ य व न ॥ ॥ अ
ह र व व अ ह य मि नि द वी अ न ग द वा सू न ऊ य पाल श अ ह म ह र य
वि ग नि वा नू व अ न ग वि घ्न नि व वा नू व ॥ ॥ वि श्व वि या पि न गा नू नि

मधुविपु॥२॥

हवीः शूरवयनिनंजनमागिमयश्शूरिमनसूरवहूलदायनिदवीऊ
नाऊनमठुंरुपायभवनशा॥ ॥नागा॥विमन्ता॥मधुविपुषिपूला
इयिनीकूवालाश्सकलदवगहावंदिगपादं॥ क॥मैकिशूदिवूऊ
धामंशकूमावाश्लंशूरिवदिगपमनसूधवा॥ ॥कूकूमनूचिनास
वचित्रविषमाश्मुन्यागमिन्वकचूहाविहावा॥ ॥विखयविखम
कूगपाचंगमनसाश्विश्वविद्यापित्तीयंगुबूखयंडु॥ ॥सगु
नूपनमाविनुशूवाध्वश्गावन्निगवशीगप्रधवकूलिभा॥ ॥

नमो भगवते ॥ ३८

३८ ॥ ३८ ॥ ३८

नाग ॥ म ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥
सर्वधनूषावि ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥
सोपविपूविनतुधविना ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥
न ॥ भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥
व्यापिना ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥
दिनदासरुनयिया ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥
नाग ॥ नामकवि ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥ नमो भगवते ॥ ३८ ॥

जिनवचनमनगणि॥३०॥

नू॥ क॥ हवजउकगनाहं२गनाहं ननागतहं हं हं॥ ॥सूचन
ननवंदितचनमवनू२कूमविलपनदहधनू॥ ॥एवविमूक
विअघगुनकूतायि२नमाहंनमाहं श्रीहवजउकगुधप्रययि॥
॥आगनामकवि॥ जिनवचननयनिउवन श्रीकापातकनिर्वास
मिजिनवचमूनिना२नपालमधुलमाअममिहमकिचरधजगगन
थमूरयदाता॥ क॥ जिआगतिगभियाअमूवताययाअप्रधमामि
वूगमल्लाकान्वदव२सिद्धायागिवन्धूरूपविक्रमात्तायाएव

नयतिवृणामधिनयन्ददवं ॥ ॥ नाष्टिकमलविकासितनाधिया
 नवामकमलधनवृणथ २३ कसू मयनक यागकू दानि ड ३ खर
 यरुनम ॥ ॥ रुरुरगवतिकायाह ॥ केनमामितीवृगमल
 लाकेश्वनदवं २ नमामि २ थीनयन्दमलदवखगर्ममध्यापोमाल
 दवं ॥ ॥ दमडुमिद्वारिं मगलकथलायाशूनूरु मिलगगवन
 ना २ थीममिताहमिपंरुगधनियथीलाकेश्वनहनम ॥ ॥
 नागा ॥ गुणलि ॥ उवंगमहनमथीननूसाह २ ०० डनीलशूनिपि

मलकमा॥ कु॥ जगन्मूलकं पद्मपाशुददीशहृष्टमालविघ्नना
 मनीदवी॥ ॥ नक्तनयनकिनिनूडमालाशखककवटिकपालः
 निलात्यल॥ ॥ बाधवर्मवम्पुण्यालिहाशखर्वलम्भादनसर्वा
 कान्ता॥ ॥ ववधमनसगीउग्रमानूशिमागाशहनयिजुमाधव
 ऊचविगा॥ ॥ वागा॥ गंधाहेनवि॥ विष्णुवनजालीनमन्त्रकिशू
 नूलायनविनयवकि॥ कु॥ नाचयिवजसत्त्वपनमश्चननीन
 वकि॥ ॥ वस्मिस्तस्यकिननदगसूर्यासहस्रवर्कि॥ ॥ वरु

प्रमृदिग॥४३

विह्वूपवविभमिअनूनायनसुखवनि॥

॥गंगा॥मधु॥

॥॥प्रमृदिगदिदसुखमिसुंदविमनमन्मधुनसुखिगलयना

श्चादमयुजुवउवदनसुखिगावजवावाहिकं॥६॥आलिङ्ग

ना॥ ॥हूँहूँहूँदहदिहसुखनमालसयलसंवाधियानश्चंद

आलिङ्गनअधयसंरावनावधिदानश्रीसम्बनवाया॥ ॥कूलि

सुखं॥गजवर्मप्रिअनाफननिदमन्सुखसुखिगाश्मर्जपूलि

नकापालखलो॥गयाअपनसुखप्रसिल्यंधवा॥ ॥पञ्चजिन

सूक्तनिर्वाणम् ॥ ४४

वनमकूटशूलं कृताखदमडाश्रुवनविहृषिता २ शूलिकाः
लिहूँ आलिंधवापयि व्याधुवर्मनिर्वासनकृष्टं गन ॥ ॥ न
वसिन्मालालवभीसम्बन्धदिव्यवक्त्रिनिफनूनहियावैश्चनम
जन्ममानूडंरुपायसवसागवन्किपनमादिवजगीता ॥ ॥
वागा ॥ मलिनि ॥ सूक्तनिर्वाणं नपनमपुः सूक्तमायासं एतश्च
वह्वियसं हावकाः नानासिद्धयोजाम् ॥ ॥ नउरुवनउनिर्वाण
गहि ॥ नहं सामहासुहवज २ आणव ०० मनएव ०० सापनसहयि

कर्क ॐ ॥ ॥ अष्टक नू म नु वि व र्ज याः ना रा व ॐ विं ह न वि नु २५
 हू सा प न म हा स ह न ना रा दि न वि नु ॥ ॥ जि म प द वि नु स र व
 जः मि मि रा व चि म न रा व २ स न्य नि नं ऊ न प व म प नु ना न ॐ प
 ध न या ज ॥ ॥ जि म ऊ ल मा म्य व ड स हि ना सा नु न मि नु २ मि
 मि सा म मु ल व क ज ग न य स र व ज स नु यि ॥ ॥ या ग ॥ नि
 व द ॥ ॥ अ र व य नि लं ऊ न अ द्र य अ नू प म ग ग ध क म ल ऊ सा ध ना २
 अ न्य ना वि ना सि ग ला य चि या द वी प्रा ध वि नु स म आ दि ना ॥ ३ ॥

नमामि निलालम् नीलज्वरस्य गवहं उहलनसंप्रापिना २ सह
ज्वरस्य समर्गजप्रकासिगजलज्वरस्य समवापिना ॥ ॥ खड्ग
गाम्बवसाविश्वकवर्हिभवूमह्युलएवविना २ निर्मलहृदया
वचकवजपिगंजुहिनीसिज्वरजकमयसाधना ॥ ॥ अनन्द
पद्मानन्दविनसाहजाचडुवानन्दमयसंरुवा २ पद्मसावित्रिमा
अनन्ददिशमहासूखसूगगसंपदवलप्रापिना ॥ ॥ हवजका
लवजुगीचकसम्बन्धूनककातिमिहापानंगना २ गीहकअडि

यानपू... विज्ञानधनपुत्रमहासूरवज्रानन्दे॥

॥ वाग॥

वि॥ गजगिजउधवहारथधविद्याकमलकुविसमूर्धवावि२उ

मन्त्रकनकि कृथा लकिभूलवामरवद्योगकपालमूर्धना॥ अ॥ श्री

सम्बन्धायावाकूलिउक्तं गुविज्ञाश्मानयिवचापयियात्रवमाया

सासूरवकुमूडासिद्धिना॥

॥ पा॥ द्वकमूत्रवाममहारथधवि

याउनवसिलमालाशनीलहवितलाहिकनकारवचउमूरवज्र

दिविकनलमूर्धना॥

॥ श्रीविदुषयाहेनवचापयियात्रकालि

[illegible]

दक्षिणवर्तुवनविघ्नमात्रविघ्नखण्डित्याने २ अकिनीद्विपिनीः
 वडसिकंवाजनिधानवत्तनसंज्ञासवदनि ॥ **सिंधिनि व्याधि**
 नीजम्बुकउलाकिनीखडाऊयेनमूजंफूभाहम्मा २ वज्जजाकिनीया
 नवतावजकिनीवधुलजकिनीचडुनदवी **जिनजननीद**
 वीजफोनीहुंरुणायमनस्तपकेमूजाहनमविरुविता २ खडूह
 मकवज्जयधुखडांगपाउपनमभवहनदवी ॥ **॥ वाण**
कल श्रीहनुमानेनात्मादवीडिडुवननाथ २ पंचजिनयापि

तपचवर्धदहा ॥ कृ नमामिश्रणपूङ्गववेद्या २ हनुकथीगु
 कश्चित्रिवज्रजागिनिभूयता ॥ पूर्वदिगंस्ति तहवनिनववर्ध
 २ दहिनपायकावि. वामवीन्दुयवा ॥ घस्मन्निचोनिथागिः
 नीदवीशगाङ्गीनिगावजहं कानसंवजा ॥ ॥ वागवर्ध
 पंचकपायाकाविनमालिपयः कृ नपचमूडारुनंश २ ननमिल
 मालागिवा ॥ रावाघवर्मकरिं दुषधवदना ॥ कृ ॥ हं हं हं
 कानसंजागवदना २ घवर्धनमादननीनसमदे ॥ काटाविपथी

महाकानाशपक्वमृगनसदप्येतरुनयियाहायनवक्त्रकपालध
वा॥ ॥ नकमपणावाजिनिनयनाघानरयंकनरीधमवदनाश
उद्यप्यकलितार्पिंगलकमउन्नमनरुहाकेनूधामय॥ ॥ क
नतिकयावाधनिनखद्योगमनागवल्लयनागकुम्भुलहावाशनाग
सिन्धुसिद्धानोपूवनागमशूनागमरुननससाहा॥ ॥ जिनवन
माविधनिनमद्यावूधमसनमानककवांवाशपूनानूशगानेवर
वांमश्वगकुलिमाशूनूरुनेसनना॥ ॥ जग॥ धना॥ गज

गङ्गा मूर्त्त्यु॥ ३०

मूर्त्त्यु निनयनिगांठवपदवन्ननिखाविषमिगारक्षम्वनाश्मक्षिम्
कावत्ताएवक्षाननुधीकिननसंकासिगा॥ ३१ ॥ मानियावि
घ्नमानियादर्यमानियाइःखविनासनंश्मानियामानामाल
संक्रासामद्रूपमइःखनासिगा॥ ३२ ॥ वनसूयानाकूभवज
खद्रुहिधितपावदहिनकनाश्मभलधनूखद्यागखपच
कननिकवाभ॥ ३३ ॥ विचिञ्चवककचूककिंवेभजगारुकम
क्षिमधितानाश्नम्वादलनलधुनलम्वादवशाणपायलसिचि

विश्वरूप॥

मित्रीवाजक
गत्वागवदमनलाकालिनामखिकमूरवः
श्रुतिस्मृदनीशदिनादृत्वागमसूखदागानमामुनमालुगनाधिपति
॥ ॥ ~~माली~~ ॥ विखयविखयविनूपवनसंथागयालयिच
दायनीनारिकमलेशदहयिजिनविभूभमिसलयिसूनगवजः
जिनिश्रासमयभ्यामसयलं ॥ ५ ॥ नममंशुधावेकालचक
हवजसमलविभूनूपंशपयिपश्मसंथागसंरुवनीनासहजाः
आनन्दमयहनूपं ॥ ॥ वजपयोकसगगकूमनूनगनूना

मसगीमिश्रुकायधानं२जगमः३खनासनवाधिरुलदायकं३
गधर्ममानूखवहियं॥ ॥ गुनूवाय॥ दृढवनीयाश्रुदपवन
कूंचयमहिमकूटवन्त्रउगादधनिया२चउचक्रपाठमनिनप
वम श्वजसूर्यरुममानूवायाहरुवनं॥ ॥ स्वप्रमायासदृसं
एवपनिगवनावूद्धधर्मासंघसननागमिय२गुनूवनशसिल्यं
धनियागावक्तिस्नकवज्जन्मजन्ममानूवूद्धमनशं॥ ॥
गुरुसम्बग१००६मि. आवशकस्त्र१बुद्धवानमलिषीमाथाहिः

मितालकायवाहालसविश्याकम्बवजावाजनत्त्वकमानन्दनःन
आद्यलतालसर्वपनालिःमहानगनःसांगिघनमहाथानःन
त्वमद्युलमाहाविहानःवशिष्टमावकहिन्दुःचकविनयाथान
वाञ्छुश्याआयआनकावशस्ववास्वदयकाशल्लगुरुमगल
हृदयु

2874

म ध मे र — ७
 यौ क दं ह — २
 आ ज र — ३
 न का व र न — ४
 न मो ह — ५
 रि व क, — ६
~~ह~~ ..
 हा ज आ भ र न —

MS.A.9.7v.10r

